**भारत सरकार**

**विद्युत मंत्रालय**

**....**

**राज्य सभा**

अ**तारांकित प्रश्न संख्या-2067**

**जिसका उत्तर 28 जुलाई, 2014 को दिया जाना है ।**

**असम में विद्युत की कमी**

**2067. श्रीमती नाज़नीन फारुखः**

क्या **विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या असम के लोग लम्बे समय से विद्युत कटौती का लगातार सामना कर रहे है और उन्हें प्रतिदिन मुश्किल से 5 से 6 घंटे ही बिजली मिल पाती है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(ग) सरकार द्वारा राज्य में विद्युत समस्या को दूर करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

**उत्तर**

**विद्युत, कोयला एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क) से (ग):** विद्युत के समवर्ती सूची का विषय होने के कारण राज्य में विभिन्न उपभोक्ताओं को विद्युत की आपूर्ति एवं वितरण संबंधित राज्य सरकार/राज्य विद्युत यूटिलिटी के कार्य क्षेत्र में आता है। विद्युत की कमी को पूरा करने के लिए भारत सरकार केंद्रीय क्षेत्र में विद्युत संयंत्र स्थापित करके तथा उन संयंत्रों से राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को विद्युत आबंटित करके राज्य सरकार के प्रयासों को बढ़ावा देती है। राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, जून, 2014 के दौरान ग्रामीण उपभोक्ताओं को 8 घण्टे में ज्यादा आपूर्ति की गई।

30.06.2014 की स्थिति के अनुसार, केंद्रीय उत्पादक स्टेशनों से असम को 727 मेगावाट की सहायता मिल रही थी। इसके अतिरिक्त, हाल ही में केंद्रीय सरकार ने असम राज्य के अनुरोध पर 01.07.2014-31.10.2014 तक पूर्वी क्षेत्र में एनटीपीसी स्टेशनों से 42.32 मेगावाट विद्युत आबंटित की है।

राज्य द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, असम में अप्रैल से जून, 2014 के दौरान ऊर्जा की कमी 8.1% थी जबकि 2013 की अवधि के दौरान यह 10.7% थी।

राज्य को विद्युत समस्याओं से निपटने के लिए निम्नलिखित कदमों से सहायता मिलेगी :

1. अतिरिक्त विद्युत:
2. त्रिपुरा में पलटाना गैस आधारित विद्युत संयंत्र (जीबीपीपी) के चालू होने पर 240 मेगावाट विद्युत।
3. असम में एनटीपीसी के बोंगईगांव ताप विद्युत केंद्र से 381 मेगावाट विद्युत का और आबंटन।
4. इसके अतिरिक्त, लोअर सुबानसिरी जल विद्युत परियोजना से 104 मेगावाट का आबंटन।
5. पूर्वोत्तर क्षेत्र में अन्य आगामी जल विद्युत परियोजनाओं से आबंटन।
6. अतिरिक्त पारेषण अवसंरचनाः
7. 400 केवी डी/सी पूर्णिया-बिहारशरीफ लाइन
8. पूर्वी क्षेत्र से पूर्वोत्तर क्षेत्र तक विद्युत के आयात को सुविधाजनक बनाने के लिए पावर ग्रिड द्वारा 400 केवी डी/सी बोंगईगांव-सिलीगुड़ी लाइन तथा साथ ही साथ 400 केवी डी/सी राजरहाट-पूर्णिया पारेषण लाइन का निर्माण।
9. 400 केवी डी/सी मालदा-फरक्का लाइन का पुनः संवहन/सुदृढ़ीकरण।
10. पुनः गठित त्वरित विद्युत विकास एवं सुधार कार्यक्रम (आर-एपीडीआरपी) के अंतर्गत असम के लिए 840 करोड़ रूपए मूल्य की परियोजनाएं संस्वीकृत की जा चुकी हैं जिनमें से लगभग 274 करोड़ रूपए वितरण प्रणाली के सुदृढ़ीकरण के लिए पहले ही संवितरित किए जा चुके हैं।
11. 12वीं योजना की शेष अवधि के दौरान, राज्यों को केंद्रीय क्षेत्र से 727 मेगावाट तथा राज्य क्षेत्र से 100 मेगावाट का संभावित लाभ होगा।

\*\*\*\*\*\*\*\*